PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 1 8 1 2

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **08**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

मैथिली

प्रश्नपत्र – III

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचहत्तरि (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

1. 'मिथिलाभाषा रामायण'मे शिव-पार्वती विवाहक वर्णन भेल अछि
(A) बालकाण्डमे
(B) अयोध्याकाण्डमे
(C) अरण्यकाण्डमे
(D) सुन्दरकाण्डमे

2. 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'क रचयिता छथि
(A) चन्दा झा
(B) विश्वनाथ झा 'विषपायी'
(C) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'
(D) लालदास

3. 'अम्बचरित'मे 'अम्ब' कहल गेल अछि
(A) राधाकेँ
(B) सीताकेँ
(C) कालीकेँ
(D) दुर्गाकेँ

4. 'सुभद्रा-हरण' थिक
(A) मुक्तककाव्य
(B) कथाकाव्य
(C) महाकाव्य
(D) खण्डकाव्य

5. 'एकवीर' नायक छथि
(A) चाणक्यमे
(B) एकावली-परिणयमे
(C) रावणवधमे
(D) मुक्त मधुपमे

6. 'जलमे किरण, किरणमे लाली, लालीमे सौन्दर्य अपार' – ई पंक्ति लेल गेल अछि
(A) सीतायनसँ
(B) अगस्त्यायनीसँ
(C) सुभद्रा-हरणसँ
(D) चाणक्यसँ

7. संदीपनि मुनिक आश्रमक वर्णन भेल अछि
(A) कृष्णजन्ममे
(B) कृष्णचरितमे
(C) रुक्मिणीपरिणयमे
(D) राधाविरहमे

8. शकुन्तलाकेँ शाप देलथिन
(A) दुर्वासा
(B) विश्वामित्र
(C) अगस्त्य
(D) परशुराम

9. केदारनाथ लाभ लिखने छथि
(A) गंगा
(B) पतन
(C) भारती
(D) एकलव्य

10. 'पतन' खण्डकाव्यमे पतन भेल अछि
(A) इन्दुक
(B) नहुषक
(C) गौतमक
(D) वशिष्ठक

11. 'उत्तरा'मे अर्जुनकेँ कहल गेल अछि
(A) कंक
(B) ग्रन्थिक
(C) तन्तिक
(D) वृहन्नला

12. रवीन्द्रनाथ ठाकुरक खण्डकाव्य छनि
(A) सीता
(B) कृषक
(C) उत्सर्ग
(D) त्रिशूली

13. एकलव्य अपन गुरुक रूपमे स्वीकार कयलनि
(A) कृपाचार्यकेँ
(B) द्रोणाचार्यकेँ
(C) भीष्मकेँ
(D) कर्णकेँ

14. कोशी-विभीषिकाक चित्रण भेल अछि
(A) लखिमारानीमे
(B) कृषकमे
(C) संन्यासीमे
(D) नोरमे

15. 'पढ़ि-लीखि जे न बजैछ हा ! निज मातृभाषा मैथिली । मन ह्वैछ झिटुकीसँ तकर हम कान दूनू ऐँठि ली ।' – ई कहने छथि
(A) भोलालाल दास
(B) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
(C) सीताराम झा
(D) छेदी झा 'द्विजवर'

16. 'मधुप'क कृति थिकनि
(A) झांकार
(B) पयस्विनी
(C) आशा दिशा
(D) माटिक दीप

17. 'तरु' शीर्षक कविता संगृहीत अछि
(A) अन्तर्नादमे
(B) प्रतिपदामे
(C) अर्चनामे
(D) कथा-यूथिकामे

18. यात्री-कृत 'पिता-पुत्र-संवाद'मे पिता-पुत्र छथि
(A) दशरथ-राम
(B) रावण-मेघनाद
(C) धृतराष्ट्र-दुर्योधन
(D) शिव-गणेश

19. 'अभिनव विद्यापतिक ..... जागि रहल अछि' – मे रिक्त स्थानमे होयत
(A) भवानी
(B) रुद्राणी
(C) शिवानी
(D) इन्द्राणी

20. हास्यरसाचार्य कहबैत छथि
(A) सुमनजी
(B) मधुपजी
(C) अमरजी
(D) किरणजी

21. जीवकान्तक कविता-संग्रह थिकनि
(A) ध्वस्त होइत शान्तिस्तूप
(B) स्वरगन्धा
(C) यन्त्रणाक क्षणमे
(D) नाचू हे पृथ्वी

22. 'सत्यनारायणक पूजा' संगृहीत अछि
(A) वीणामे
(B) त्रिधारामे
(C) भावाञ्जलिमे
(D) नाम तँ थिक वैहमे

23. 'प्रभावती-हरण' नाटकक सम्पादन कयने छथि
(A) जयमन्त मिश्र
(B) रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'
(C) लेखनाथ मिश्र
(D) अमरनाथ झा

24. 'रामविजय' लिखने छथि
(A) ज्ञानदास
(B) शंकरदेव
(C) रामदास
(D) रत्नपाणि

25. 'अपनुक आनन आरसि हेरी ।
चानक भरम काँप कत बेरी ।'
– लेल गेल अछि
(A) उषाहरणसँ
(B) प्रभावतीहरणसँ
(C) हरगौरीविवाहसँ
(D) पारिजातहरणसँ

26. 'महेश' पात्र अछि
(A) पहिल साँझमे
(B) लेटाइत आँचरमे
(C) भफाइत चाहक जिनगीमे
(D) हथटुट्टा कुरसीमे

27. रामदेव झाक 'पिपासा' संगृहीत अछि
(A) पसिझैत पाथरमे
(B) नो इंट्री : मा प्रविशमे
(C) त्रिवेणीमे
(D) खजबा टोपीमे

28. 'नचिकेता'क नाटक थिकनि
(A) कुहेस
(B) नाटकक लेल
(C) कनियाँ-पुतरा
(D) चन्द्रगुप्त

29. महेन्द्र मलंगियाक ..... प्रत्येक दृश्यक आरम्भ गीतसँ भेल अछि ।
– रिक्त स्थानमे होयत
(A) ओकरा आङनक बारहमासामे
(B) छुतहा घैलमे
(C) काठक लोकमे
(D) 'एक कमल नोरमे'मे

30. 'सी.सी. मिश्रा' नामक पात्र छथि
(A) नवतुरिआमे
(B) कन्यादानमे
(C) नवारम्भमे
(D) दूध-फूलमे

31. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क उपन्यास थिक
(A) भोरुकबा
(B) दू कुहेसक बाट
(C) पृथ्वीपुत्र
(D) दू पत्र

32. लोकगाथात्मक उपन्यास अछि
(A) विद्यापति
(B) फुटपाथ
(C) लोरिक-विजय
(D) कोब्रागर्ल

33. 'आदिकथा'क लेखक छथि
(A) राजकमल
(B) जीवकान्त
(C) प्रभास कुमार चौधरी
(D) धीरेन्द्र

34. लिली रे प्रसिद्ध छथि
(A) समीक्षकक रूपमे
(B) नाटककारक रूपमे
(C) कविक रूपमे
(D) उपन्यासकारक रूपमे

35. प्रभास कुमार चौधरीक उपन्यास थिक
(A) बाबी
(B) नव घर उठय पुरान घर खसय
(C) युगपुरुष
(D) दिदबल

36. 'तरमे गंजी, ऊपरसँ कमीज आ ताहिपरसँ कोट जँ पहिरताह तँ खौँत नहि फुकतनि' – ई पंक्ति अछि
(A) आदर्श कुटुम्बमे
(B) साझी आश्रममे
(C) अंगरेजिया बाबूमे
(D) बीमाक एजेंटमे

37. मणिपद्मक कथासंग्रह छनि
(A) कचोट
(B) साहित्यकारक दिन
(C) धरतीमाता
(D) अतीत

38. 'ओवरलोड' कथा संगृहीत अछि
(A) अश्रुकणमे
(B) कथा-किरणमे
(C) चन्द्रबिन्दुमे
(D) प्रतिनिधिमे

39. 'ललका पाग' थिक
(A) निबन्ध
(B) उपन्यास
(C) कथा
(D) समीक्षा

40. मायानन्द मिश्रक कथासंग्रह थिकनि
(A) आगि, मोम, पाथर
(B) बिहाड़ि, पात आ पाथर
(C) मंत्रपुत्र
(D) सूर्यास्त

41. 'अन्तहीन आकाश' कथासंग्रहक लेखक छथि
(A) सुभाषचन्द्र यादव
(B) रमानन्द रेणु
(C) नीरजा रेणु
(D) नीता झा

42. प्रभास कुमार चौधरीक कथा अछि
(A) रुसल जमाय
(B) आम खयबाक मुँह
(C) बिहाड़ि
(D) पिता

43. सुभाषचन्द्र यादवक कथा-भाषाक विशेषता अछि
(A) तत्सम शब्दक प्रयोग
(B) आलंकारिक शब्दक प्रयोग
(C) ठेँठ शब्दक प्रयोग
(D) सामासिक वाक्यक प्रयोग

44. 'प्रबन्ध-संग्रह' थिकनि
(A) जयकान्त मिश्रक
(B) रमानाथ झाक
(C) श्रीकृष्ण मिश्रक
(D) उमेश मिश्रक

45. 'अलंकार-भास्कर' पोथी लिखने छथि
(A) रमण झा
(B) दिनेश कुमार झा
(C) राजाराम प्रसाद
(D) मेघन प्रसाद

46. विद्यापति-सम्बन्धी अनुसन्धानात्मक कृति प्रकाशित छनि
(A) केष्कर ठाकुरक
(B) रमानन्द झा 'रमण'क
(C) देवेन्द्र झाक
(D) जगदीश प्रसाद यादवक

47. 'अनवरत' कृति थिकनि
(A) लालपरी देवीक
(B) रामलोचन ठाकुरक
(C) बासुकीनाथ झाक
(D) मोहन भारद्वाजक

48. 'निशा नायिकाक शंखवलय अइसन आकाश । क्षितिजक कमण्डल अइसन चन्द्रकान्तक प्रभा'मे वर्णन अछि
(A) सूर्यक
(B) चन्द्रमाक
(C) समुद्रक
(D) नायिकाक

49. 'शारान्तिधा' अछि
(A) निबन्धसंग्रह
(B) कथासंग्रह
(C) नाटक
(D) खण्डकाव्य

50. 'पथ हेरथि राधा' अछि
(A) समीक्षात्मक निबन्ध
(B) पत्रात्मक निबन्ध
(C) ललित निबन्ध
(D) उद्‌बोधनात्मक निबन्ध

51. 'कीर्तनियाँ'कें नाच कहने छथि
(A) बालगोविन्द झा 'व्यथित'
(B) कृष्णकान्त मिश्र
(C) जयकान्त मिश्र
(D) रमानाथ झा

52. 'नवीन निबन्ध संकलन' थिकनि
(A) सत्यानन्द पाठकक
(B) अमरेश पाठकक
(C) दीनानाथ पाठकक
(D) शिवाकान्त पाठकक

53. 'मिथिला मिहिर'क प्रकाशन आरम्भ भेल
(A) 1909 मे
(B) 1910 मे
(C) 1911 मे
(D) 1912 मे

54. पटनासँ प्रकाशित होइत अछि
(A) पूर्वोत्तर मैथिल
(B) अन्तिका
(C) झारखण्डक सनेस
(D) घर-बाहर

55. 'लगनी' गाओल जाइत अछि
(A) ढेकी कुटबा काल
(B) जाँत पिसबा काल
(C) धान रोपबा काल
(D) उपनयन काल

56. 'मैथिली लोकगीत' पोथीक संकलयिता छथि
(A) अणिमा सिंह
(B) ज्योत्स्ना चन्द्रम्
(C) कामेश्वरी देवी
(D) प्रभावती झा

57. महेन्द्र नारायण रामक पोथी थिकनि
(A) जय राजा सलहेस
(B) लोकगाथा-विवेचन
(C) कारिख पजियार
(D) राय रणपाल

58. विद्यापति छलाह
(A) ओइनवार वंशक
(B) कर्णाट वंशक
(C) खण्डवला कुलक
(D) इक्ष्वाकु वंशक

59. विद्यापतिक आश्रयदाता छलाह
(A) लक्ष्मीश्वर सिंह
(B) शिवसिंह
(C) नान्यदेव
(D) जगज्ज्योतिर्मल्ल

60. गणपति ठाकुर छलाह
(A) विद्यापतिक भ्राता
(B) विद्यापतिक आश्रयदाता
(C) विद्यापतिक मित्र
(D) विद्यापतिक पिता

61. विद्यापतिक समाधिभूमि अछि
(A) बाजितपुरमे
(B) बिस्फीमे
(C) सौराठमे
(D) भवानीपुरमे

62. विद्यापतिक हस्तलेख अछि
(A) देवाक्षरमे
(B) मिथिलाक्षरमे
(C) कैथीमे
(D) खरोष्ठीमे

63. विद्यापतिकेँ काव्यगुरु मानने छथि
(A) मनबोध
(B) लोचन
(C) उमापति
(D) गोविन्ददास

64. 'विदिता देवी विदिता हो अविरल केस सोहन्ती' – ई गीत अछि
(A) शिवविषयक
(B) विष्णुविषयक
(C) शक्तिविषयक
(D) व्यवहारविषयक

65. 'कंटक माझ कुसुम परगास
भमर बिकल नहि पाबए पास'
– एहि पदमे अलंकार अछि
(A) अप्रस्तुतप्रशंसा
(B) समासोक्ति
(C) विभावना
(D) विशेषोक्ति

66. आधुनिक युगक जनक कहल जाइत छथि
(A) जीवन झा
(B) चन्दा झा
(C) लालदास
(D) हर्षनाथ

67. 'पुरुष-परीक्षा'क पहिल अनुवादक छथि
(A) रमानाथ झा
(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
(C) चन्दा झा
(D) बलदेव मिश्र

68. चन्दा झाक कृति थिकनि
(A) सामवती-पुनर्जन्म
(B) जानकी-परिणय
(C) लोकलक्षण
(D) वाताह्वान

69. 'न्यायक भवन कचहरी नाम' – चन्दा झाक ई पद्यांश अछि
(A) रामायणमे
(B) मुक्तक रचनामे
(C) नाटकमे
(D) गद्यमे

70. 'चन्द्रपद्यावली'क सम्पादक छथि
(A) बलदेव मिश्र
(B) राधाकृष्ण चौधरी
(C) मुकुन्द झा 'बख्शी'
(D) परमेश्वर मिश्र

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**)क उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्प सँ सही विकल्पक चयन करू :

विद्यापतिक पश्चात् मैथिली-साहित्यमे हमरालोकनिकेँ मात्र चन्द्र कविएटा एहन भेटैत छथि जनिका सोझाँ भाषा-साहित्यक अखण्ड गरिमा नचैत हो । इएह कारण थिक जे जँ विद्यापति मैथिलीभाषाक प्राण-प्रतिष्ठा कयलनि तँ चन्द्रकवि एकरा सबल ओ पुष्ट बनओलनि । जँ विद्यापतिक बलपर मैथिली साहित्य विश्व-साहित्यक दरबारमे स्थान प्राप्तकरबाक दावा रखैछ तँ चन्द्रकविक बलपर एकरा आधुनिक साहित्य कहयबाक अधिकार छैक । चन्दा झाक रचना दुइ प्रकारक अछि - प्रबन्धात्मक एवं मुक्तक । हिनक प्रबन्ध-रचना अछि रामायण जे सात काण्डमे समाप्त कयल गेल अछि । एकर रचनामे कवि अपन अपरिमित पाण्डित्य एवं अनुभव, देशाचारक ज्ञान तथा वर्णन-सामर्थ्यक पूर्ण उपयोग कयलनि अछि, कारण एकर रचना ओ प्राय:छप्पन वर्षक अवस्थामे कयलनि जखन संस्कृतमे निबद्ध शास्त्रक ई पूर्णज्ञान प्राप्त क' चुकल छलाह । एहि योग्यतामे हिनक कवित्व-शक्तिक योग भेला सन्ता जेहन सरस चित्र हिनक रामायणमे उतरल अछि से सहृदय पाठककेँ बिनु प्रभावित कयने नहि रहि सकैत अछि । अपन रामायणमे अथवा दोसर रचनासभमे कवीश्वर अलंकार प्रयोग कयलनि अछि । छन्दक अनेक रूप उपस्थित क' वर्णनमे चातुर्य प्रदर्शित कयलनि । मुदा सभसँ प्रभावोत्पादक स्थल ओ अछि जत' हुनक सहज भावुकता स्पष्ट भेल अछि । आओ स्पष्ट भेल अछि सभसँ अधिक धार्मिकता ओ मैथिली संस्कृति द्वारा । यद्यपि धार्मिक भावनात्मक स्फुरणक हेतु हिनक 'महेशवाणी' प्रसिद्ध अछि तथापि हिनक रामायणहुमे एहन अनेक स्थल भेटैछ । रामचन्द्रक युवराज होयबाक प्रसंग उपस्थित भेलापर रानी कौशल्या कोन प्रकारेँ गौरीक आराधना करैत छथि ।

71. विद्यापति मैथिली भाषाक कयलनि

(A) सुदूरगामी प्रसार

(B) लोकप्रियताक प्रचार

(C) प्राण प्रतिष्ठा

(D) व्यापक विस्तार

72. चन्दा झाक रचनाक प्रकार अछि

(A) दुइ

(B) तीन

(C) चारि

(D) पाँच

73. 'रामायण' समाप्त कयल गेल अछि

(A) पाँच काण्डमे

(B) सात काण्डमे

(C) आठ काण्डमे

(D) नओ काण्डमे

74. 'रामायण'क रचना कयलनि

(A) पचास वर्षक अवस्थामे

(B) बाबन वर्षक अवस्थामे

(C) चौबन वर्षक अवस्थामे

(D) छप्पन वर्षक अवस्थामे

75. '..... धार्मिक भावनाक हेतु प्रसिद्ध अछि ।' एकर रिक्त स्थानमे होयत

(A) महेशवाणी

(B) नयारी

(C) लोकगीत

(D) लोककथा

Space For Rough Work